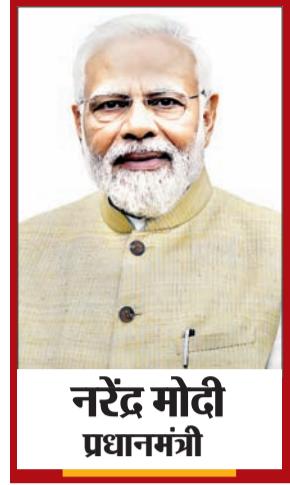


एकता का महाकुंभ, युग परिवर्तन की आहट



नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

बस एक ही धून में था- संगम में स्नान। मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊंचे और विवास के भाव से भर रही थी।

प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पालियां एक्सप्रेस्ट्रेस के लिए, नवे सिसे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की काई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है।

पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक नियंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गये।

मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता, स्नान के बाद असीम आनंद और



संतोष से भरे थे जो स्नान के लिए, प्रयागराज में महाकुंभ के लिए।

और मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आया।

प्रयागराज में जितनी कल्पना

की गयी थी, उससे कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालु वहां पहुंचे। इसकी एक बजह ये भी कि प्रशासन ने भी परेंपां पड़ चुकी होती थीं, उन्हें त्याग दिया जाता था, आधुनिकता के स्वीकार या आवाज आवाज के स्वीकार संस्कृत की देखते हुए ही अंदाज लगाया था, लेकिन अमेरिका की आवाज के करीब दोपुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगायी।

इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या ने निश्चित तौर पर एकता, समरसता और प्रेम का धृतिशक्ति और सद्व्यवहार के संगम की तरह ही है। प्रयागराज के ये तीर्थ आज भी हमें एकता का आकर दूध गयी थी।

तीर्थरात्रि प्रयाग के इसी क्षेत्र में

एकता, समरसता और प्रेम का

पवित्र धृतिशक्ति और सद्व्यवहार का

मिलन हुआ था। उनके मिलन का

प्रयागराज ने अपने आयोजन का

प्रभाव देखा, जिससे जो

उपर्युक्त धृतिशक्ति और सद्व्यवहार

मिलना चाहिए तो यह आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

ये अपने लोगों को आयोजन का

प्रभाव देखा जा सकता है।

विधानसभा में 5508 करोड़ का तीसरा अनुपूरक बजट पेश महिला बाल विकास और शिक्षा पर ज्यादा जोर

आजाद सिपाही संचारदाता

रांची। ज्ञानखण्ड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन सदन में सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष का तीसरा अनुपूरक बजट पेश किया। गुरुवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने ध्यानाकर्षण के बाद सदन में कुल 5508 करोड़ का अनुपूरक पेश किया। गुरुवार को वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने ध्यानाकर्षण के बाद सदन में कुल 5508 करोड़ का अनुपूरक पेश किया।

सदन में पेश तृतीय अनुपूरक में मध्य निधि विभाग को 180.75



विभाग को 10471.61 लाख, पेशन मद में 50,000 लाख,

971.80 करोड़ का प्रावधान किया गया है। इसी तरह से कृषि पशुपालन एवं सहकारिता (कृषि) को 176.48 लाख, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) को 241.34 लाख, मत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग को 612.62 लाख, उत्पाद एवं सदन में पेश तृतीय अनुपूरक में

वाणिज्य कर विभाग को 50 किया गया है। इस अनुपूरक लाख खाद्य एवं जन वितरण एवं उपभोक्ता मामले को 74 लाख, साक्षरता विभाग सेकेंडरी शिक्षा विभाग को 18850.43 लाख परिवर्तन विभाग को 39293.50 लाख, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं प्राथमिक एवं बजट शिक्षा प्रभाग को 39293.50 लाख, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग को 26668.69 लाख और ग्रामीण कार्य विभाग को 87329 लाख का प्रावधान किया गया है।

सीपी सिंह की टिप्पणी से सदन में माहौल गरमाया

मदरसा से पढ़ कर आये, इस वजह से शब्द का ज्ञान नहीं : सीपी सिंह

आजाद सिपाही संचारदाता

रांची। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक सीपी सिंह ने सरकार के दो-दो मंत्री पर ज़ेरू ही तीखी टिप्पणी की सदन का माहौल गरमा गया। दरअसल, सीपी सिंह मईयां समान योजना की लिंबित राशि



लिंडा पर टिप्पणी करते हुए कहा कि 'हेलपेट पहने कौन मंत्री हैं, उन्हें हम पहचान नहीं पा रहे हैं। साथ ही उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बारे में कहा कि 'वे मदरसा में पढ़ कर आये हैं इस वजह से शब्द ज्ञान नहीं है।'

आपको बता दें कि चमरा लिंडा सदन में टोपी पहने हुए थे और सरकार की ओर से सीपी सिंह के सबल का जाल दे रहे थे। वहाँ सीपी सिंह की इस टिप्पणी के बाद सदन का माहौल गरमा गया। हालांकि इस दौरान स्पीकर रवींद्रनाथ महतो स्थिति को संभालने में सफल रहे।

इस दौरान सीपी सिंह ने सरकार की ओर से सदन में जाल दे रहे मंत्री चमरा

विधायक सीपी सिंह के बयान पर भड़के स्वास्थ्य मंत्री

उनकी तबीयत खराब है, कांके भेजना होगा : इरफान अंसारी

आजाद सिपाही संचारदाता

रांची। बजट सत्र के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी और पूर्व मंत्री सीपी सिंह के बीच कटु शब्दों का दौर जारी रहा। इचाक में महाशिवरात्रि के दौरान हुई घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आपको बता दें कि चमरा लिंडा सदन में टोपी पहने हुए थे और सरकार की ओर से सीपी सिंह के सबल का जाल दे रहे थे। वहाँ सीपी सिंह की इस टिप्पणी के बाद सदन का माहौल गरमा गया। हालांकि इरफान अंसारी ने सदन के बाहर विधायक सीपी सिंह को इलाज के लिए कांके में भर्ती कराने की बात कह दी। दरअसल, सीपी सिंह ने कहा कि मेरा अतिरिक्त विषय संस्कृत रहा है, मदरसों में हिंदू त्योहारों पर पत्थर और पत्थर

विभाग को 10471.61 लाख, पेशन मद में 50,000 लाख,



फेंकने की शिक्षा दी जाती है। सीपी सिंह ने इरफान अंसारी और आएसएस के बारे में भी शब्दबाण चला कर मर्यादा लांघ दी। वहाँ डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि जिस तरह से सीपी सिंह बयान दे रहे हैं और मंत्रियों को पहचानते भी नहीं हैं, उससे लगता है कि उनकी तबीयत खराब है। इरफान अंसारी ने कहा कि सीपी सिंह का बीपी चेक करने पड़ेंगा और उन्हें कांके भेजना होगा। आप लोग चिंता न करें, हम सीपी सिंह को थोरे पी देंगे। उन्होंने कहा कि मेरा अतिरिक्त विषय संस्कृत रहा है, सीपी सिंह को उर्दू पढ़नी चाहिए।

नवम् पुण्यतिथि



स्व० कौशल किशोर सिंह
(15.01.1940 - 28.02.2016)

आपकी स्मृतियां सदैव हम सभी के मानस पटल पर अंकित रहेगी। नवम् पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से आपको हार्दिक श्रद्धांजलि।

आपकी यादों में :

अमरेन्द्र कुमार (पुत्र) - रुबी देवी

इन्दु देवी - विजय कुमार
रमेन्द्र कुमार - अनिता देवी

शशांकराज, सृष्टिराज, सुर्योशराज, सारांशराज (दर्श)

राज्य कर्मी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ समारोह

इन्हें मिलेगा लाभ

राज्य कर्मी

सेवानिवृत्त कर्मी

अधिवक्तागण

लाभुक के आश्रित



मुख्य अतिथि

श्री हेमन्त सोरेन

माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि

श्री एविन्द्र नाथ महतो

माननीय अध्यक्ष,
माननीय झारखण्ड विधानसभा

श्री राधा कृष्ण किशोर

माननीय मंत्री, वित्त विभाग, गणित्य कर विभाग,
योजना एवं विकास विभाग, संसदीय कार्य विभाग

श्री संजय प्रसाद यादव

माननीय मंत्री, श्रम, नियोजन,
प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उद्योग विभाग

डॉ. इरफान अंसारी

माननीय मंत्री, स्वास्थ्य, चिकित्सा विभाग
एवं परिवार कल्याण विभाग, खाद्य, सार्वजनिक
वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग

दिनांक: 28 फरवरी 2025 | समय: अपराह्न 01:00 बजे

स्थान: कॉफ्रेंस हॉल, ग्राउंड फ्लोर, झारखण्ड विधानसभा भवन, रांची

गुमला

चिल्ड्रेन एकेडमी के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने चंद्रशेखर आजाद के चित्र पर माल्यार्पण किया



घाघरा (आजाद सिपाही)। चिल्ड्रेन एकेडमी 10+2 स्कूल रहने घाघरा में स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद की 93वीं पुण्य तिथि गुरुवार को मनायी गयी। सर्वप्रथम विद्यार्थी ने शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने उनके चित्र पर माल अर्पण कर उन्हें प्रदान किया। स्वतंत्रता सेनानी चंद्रशेखर आजाद के जीवनी विद्यार्थियों को जानकारी देते हुए बताया कि कैसे महामान गांधी के असत्योंग आदोलत में भाग लेने पर अंग्रेजों के द्वारा जब उन्हें जेल में डाला गया और फिर पंडी के लिए जब अदालत पहुंचे। तो कैसे वहां पर नाम पूछने पर अपना नाम आजाद और पिंडीजी का नाम स्वतंत्रता बताया था। साथी विद्यार्थी के निदेशक विजय साहू ने बच्चों से चंद्रशेखर आजाद सहित अन्य स्वतंत्रता सेनानीयों कुछ जानने की नीरहत दी। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक विजय साहू, रशेम टोपी, मीना देवी, तारमण देवी, पूजा प्रिया, शोभा गुलाम सुरीन, रीना भीज, निधि लकड़ा, अंजीत लकड़ा, प्रेमदत्त कुमार, मनोज साहू, दुर्गांती, रेशमा कर्केट्रा, शिवानी लकड़ा, दिव्यानी, ममता राणी, अनुप्रद कुजर, विभा लकड़ा, अरती कुमारी, अंजनी कुमारी, अलका कुमारी, सहित कई लोग शाहू थे।

बीएलबीसी प्रखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक



घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा बीडीओ दिनेश कुमार ने अपने कार्यालय कक्ष में बीएलबीसी प्रखंड स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित किया। बैठक की अध्यक्षता बीडीओ दिनेश कुमार और एलटीएम पवन कुमार ने संयुक्त रूप से किया। बैठक में विभिन्न योजनाओं के विषय में वर्ती विद्या गया। जिसमें प्रधानमंत्री सुक्ष्म खाद्य प्रसारण उद्यम और आवारकी करण योजना, जिसने ग्रांडिंग कार्ड, खर्च सहायता समूह के लिए संवित्ति, केवाइसी संस्थान कई शामिल है। मौके पर बीडीओ दिनेश कुमार ने शाखा प्रबंधकों को लाभुकों के खातों को आधार से लिक करने हेतु महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। ताकि पेंशन, आवास योजना एवं अन्य योजनाओं से संबंधित राशि उनके खातों में समस्या भ्रूप्तान हो सके। वही एलटीएम पवन कुमार ने भी सभी बैंक कर्मियों को कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। मौके पर बैंक ऑफ इंडिया, रेटेंड बैंक ऑफ इंडिया, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, लेखा सहायक, मनरेगा एवं लेखपाल सह कॉर्पोरेट, आवास कोऑर्डिनेटर, उपस्थित थे।

घाघरा में बकरा-बकरी का वितरण



घाघरा (आजाद सिपाही)। पशुपालन विभाग घाघरा ब्लॉक प्रिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर पात्र लाभुकों के बीच बकरा बकरी यूनिट का वितरण किया गया। इस योजना के तहत विमर्ला, दीरगांव, शिवाजीपुर, सरांगों पंचायत के वर्धनीत प्रत्येक ग्रामीणों को रोजगार के बढ़ावा देने के उद्देश्य से 4 बकरी एक बकरा का यूनिट उपलब्ध कराये गये। जिससे वह अत्यनिवार बन सके। मौके पर पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर सीमा एकाना ने पशुपालन के महत्व पर इसके होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही इस योजना का अधिकारी लाभ उठाने की बात कही गयी। मौके पर पशुविधा राजेश बड़ाइक सहित कई लाभुक उपस्थित थे।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन जल्द शुरू करवाने की मांग की

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला में अधिकारीओं के कार्यालय के बाहर विभाग द्वारा घाघरा ब्लॉक प्रिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित कर पात्र लाभुकों के बीच बकरा बकरी यूनिट का वितरण किया गया। इस योजना के तहत विमर्ला, दीरगांव, शिवाजीपुर, सरांगों पंचायत के वर्धनीत प्रत्येक ग्रामीणों को रोजगार के बढ़ावा देने के उद्देश्य से 4 बकरी एक बकरा का यूनिट उपलब्ध कराये गये। जिससे वह अत्यनिवार बन सके। मौके पर पशुपालन पदाधिकारी डॉक्टर सीमा एकाना ने पशुपालन के महत्व पर इसके होने वाले आर्थिक लाभों के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही इस योजना का अधिकारी लाभ उठाने की बात कही गयी। मौके पर पशुविधा राजेश बड़ाइक सहित कई लाभुक उपस्थित थे।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन जल्द शुरू करवाने की मांग की

गुमला (आजाद सिपाही)।



रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कुमार चीनी ने रजिस्ट्री और विवाह निवंधन बंद शुरू करवाने की मांग की।

गुमला (आजाद सिपाही)।

रमेश कु

